

Reaccredited 'A++ 'Grade by NAAC(CGPA:3.58/4.00)

College with Potential for Excellence by UGC

DST-FIST Supported & STAR College Scheme by DBT

Faculty of Social Science

Master of Arts (M.A.)

SUBJECT: POLITICAL SCIENCE

M.A. II Semester

Paper 1- Western Political Thought

| CO. No. | Course Outcomes |
|---------|---|
| CO 1 | Student will be able to understand Genesis and development of Western political thought. |
| CO 2 | Student will develop understanding of Greek political thought and ideas of Plato and Aristotle. |
| CO 3 | Student will be able to understand Roman and medieval political thought, and to know the ideas of Hobbes Locke, Rousseau and Montesquieu. |
| CO 4 | Student will be able to analyse ideas of Bentham, Mill, Hegel and Green. |
| CO 5 | students will be able to evaluate the political ideas of Marx, Lenin and Mao. |
| CO 6 | student will become aware of the ideas of Rawls-Nozic and communitarians. |
| CO 7 | student will understand ideas of Laski, pluralism and Fascism. |



| Units | Topics |
|-------|--|
| I | Greek Political Thought: Characteristics |
| | 2. Political Thought of Plato |
| | 3. Political Thought of Aristotle |
| II | 1. Roma Political Thought: Characteristics |
| | 2. Medieval Political Thought: Characteristics |
| | 3. Machiavelli, Hobbes, Locke, Rousseau, Montesquieu |
| III | 1. Bentham and J.S. Mill |
| | 2. Hegel and Green |
| IV | 1. Marx |
| | 2. Lenin |
| | 3. Mao-Tse-Tung |
| V | 1. Rawls, Nozic and Communitarians |
| | 2. Laski, Pluralism. Fascism |



| CO. No. | Course Outcomes |
|---------|---|
| CO 1 | विद्यार्थी पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन की उत्पत्ति और विकास को समझने में सक्षम होंगे 1 |
| CO 2 | विद्यार्थियों में यूनानी छिनतं और पलटो तथा अरस्तू के राजनीतिक चिंतन की समझ पैदा होगी l |
| CO 3 | विद्यार्थी मैकियावेली, हॉब्स , लॉक, रूसो और मांटेस्क्यू के विचारों से भी अवगत हो सकेंगे और मैकियावेली, हॉब्स, लॉक, रूसो और मांटेस्क्यू के विचारों से भी अवगत हो सकेंगे 1 |
| CO 4 | विद्यार्थी बेंथम, जे. एस. मिल, हीगल तथा ग्रीन के मुख्य विचारों की व्याख्या करने में सक्षम होंगे 1 |
| CO 5 | विद्यार्थी मार्क्स, लेनिन व माओ-त्से -तुंग के राजनीतिक विचारों का मूल्यांकन करने में सक्षम होंगे l |
| CO 6 | विद्यार्थी रॉल्स, नोजिक और समुदायवाद के विचारों से परिचित हो सकेंगे ! |
| СО | विद्यार्थी लास्की बहुलवाद, और फासीवाद को समझ सकेंगे। |

| इकाई | विषय |
|------|---|
| | |
| 1 | 1. यूनानी राजनीतिक चिंतन : विशेषताएँ |
| | 2. प्लेटो का राजनीतिक चिंतन |
| | 3. अरस्तू का राजनीतिक चिंतन |
| 7 | रोमन राजनीतिक चिंतन : विशेषताएँ |
| | 2. मध्यकालीन राजनीतिक चिंतन : विशेषताएँ |
| | 3. मैकियावेली, हॉब्स, लॉक, रूसो और मांटेस्क्यू |
| | |
| ₹. | 1. बेंथम तथा जे. एस. मिल |
| | 2. हीगल तथा ग्रीन |
| ٧. | 1. मार्क्स, |
| | 2. लेनिन |
| | 3. माओ-त्से-तुंग |
| 5. | 1. रॉल्स, नोजिक तथा समुदायवाद |
| | 2. लास्की, बहुल वाद और फासीवाद |
| | |



Reaccredited 'A++ 'Grade by NAAC(CGPA:3.58/4.00)

College with Potential for Excellence by UGC

DST-FIST Supported & STAR College Scheme by DBT

Faculty of Social Science

Master of Arts (M.A.)

SUBJECT: POLITICAL SCIENCE

M.A. II Semester

Paper 2- State Politics in India

| CO. No. | Course Outcomes |
|---------|--|
| CO 1 | Students will have better understanding of state politics in India. |
| CO 2 | Students will be able to understand the powers and functions of state executive-Governor, Chief Minister and Council of Ministers. |
| CO 3 | Students will get knowledge of structure, functions and work of state legislature Vidhan Sabha and Vidhan Parishad. |
| CO 4 | Student will get knowledge of State judiciary, jurisdiction and powers of High Court and Subordinate courts. |
| CO 5 | Student will have better understanding of factors affecting state politics. |
| CO 6 | Student will come to know various commissions in the state and the pattern of state politics. |



| Units | Topics |
|-------|--|
| I | State Executive: Governor, Chief Minister and Council of Ministers |
| II | State Legislature: Vidhan Sabha and Vidhan Parishad |
| III | Judiciary: High Court and Subordinate Courts |
| IV | 1. Factors and Characteristics determining state politics in India |
| | 2. Increasing Demand for State Autonomy |
| | 3. Demand for the creation of new states |
| | 4. State politics in the era of Globalization and coalition politics |
| | 5. Inter State River Water Disputes |
| V | 1. Inter-state Council |
| | 2. State Planning Commission |
| | 3. State Finance Commission |
| | 4. State Election Commission |
| | 5. Broad Pattern of State Politics in India |



| CO. No. | Course Outcomes |
|---------|--|
| CO 1 | विद्यार्थियों में भारत में राज्यों की राजनीति के संबंध में समझ विकसित होगी 1 |
| CO 2 | विद्यार्थी राज्य की कार्यपालिका, राज्यपाल, मुख्यमंत्री और मंत्री परिषद की शक्ति और कार्यों को समझ सकेंगे 1 |
| CO 3 | विद्यार्थी राज्य की व्यवस्थापिका, विधान सभा और विधान परिषद के कार्य और शक्तियों को भी समझ सकेंगे 1 |
| CO 4 | विद्यार्थी राज्य की न्यायपालिका, उच्च न्यायालय और अधीनस्थ न्यायालयों के संबंध में भी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे 1 |
| CO 5 | विद्यार्थी भारत में राज्य राजनीति को प्रभावित करने वाले कारकों एवं विशेषताओं को जैसे अंतरराज्यीय नदी जल विवाद इत्यादि के संबंध में समझ विकसित कर सकेंगे 1 |
| CO 6 | विद्यार्थी राज्यों की अंतरराज्यीय परिषद, योजना आयोग, वित्त आयोग, निर्वाचन आयोग एवं राज्यों की राजनीति के प्रतिमानों को समझ सकेंगे 1 |

| इकाई | विषय |
|------|--|
| | |
| 1 | राज्य की कार्यपालिका : राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं मंत्री परिषद |
| | |
| 7 | राज्य की व्यवस्थापिका : विधान सभा एवं विधान परिषद |
| | |
| ₹. | राज्य की न्यायपालिका : उच्च न्यायालय एवं अधीनस्थ न्यायालय |
| | |
| ٧. | 1. भारत में राज्य राजनीति को प्रभावित करने वाले कारक एवं विशेषताएँ |
| | 2. राज्य स्वायत्तता की बढ़ती मांग |
| | 3. नए राज्यों के गठन की मांग |
| | 4. भूमंडलीकरण एवं गठबंधन की राजनीति के युग में राज्य राजनीति |
| | 5. अंतरराज्यीय नदी जल विवाद |
| 5. | 1. अन्यत्र राज्यीय परिषद |
| | 2. राज्य योजना आयोग |
| | 3. राज्य वित्त आयोग |
| | 4. राज्य निर्वाचन आयोग |
| | 5. भारत में राज्यों की राजनीत का व्यापक प्रतिमान |



Reaccredited 'A++ 'Grade by NAAC(CGPA:3.58/4.00)
College with Potential for Excellence by UGC
DST-FIST Supported & STAR College Scheme by DBT

Faculty of Social Science

Master of Arts (M.A.)

SUBJECT: POLITICAL SCIENCE

M.A. II Semester

Paper 3- Major Ideas and Issues in Public Administration

| CO. No. | Course Outcomes |
|---------|--|
| | |
| CO 1 | Students will come to know nature of Administration in Indian Knowledge System. |
| CO 2 | Students will be able to distinguish public administration from private administration. |
| CO 3 | Students will be able to explain how the administration has been understood by different |
| | approaches and how all these reinforce the overall understanding of the organization. |
| CO 4 | They will come to know what is Bureaucracy and what is the impact of globalization and |
| | liberalization on it. |
| CO 5 | The students will cultivate an understanding of different approaches to understand |
| | financial administration. |



| Units | Topics |
|-------|---|
| I | 1. Meaning, nature and scope of Public Administration |
| | 2. Nature of Administration in Indian Knowledge System |
| | 3. Evolution of Public Administration as a discipline |
| | 4. New Public Administration |
| | 5. Impact of Information Technology on Administration |
| II | 1. Decision Making Approach of Herbert Simon |
| | 2. Development Administration Approach |
| | 3. Ecological Approach- Fred Riggs Model |
| | 4. Scientific Management Theory- Taylor |
| III | Liberal Democratic Approach |
| | 2. Marxist Leninist Approach |
| | 3. Welfare State Approach |
| IV | 6. Financial Administration- Importance and Aims |
| | 7. Zero Base Budgeting and Performance Budgeting- Process, Problems and Importance. |
| | 8. Political And Administrative interaction in Economic Development |
| | 9. Impact of Economic Liberalization and Globalization on Administration |
| V | 6. Inter-state Council |
| | 7. State Planning Commission |
| | 8. State Finance Commission |
| | 9. State Election Commission |
| | 10. Broad Pattern of State Politics in India |



| CO. No. | Course Outcomes |
|---------|---|
| CO 1 | विद्यार्थियों भारतीय ज्ञान परंपरा में प्रशासन की प्रकृति को समझ सकेंगे 1 |
| CO 2 | विद्यार्थी लोक प्रशासन और निजी प्रशासन के अंतर को समझ सकेंगे 1 |
| CO 3 | विभिन्न उपागमों से प्रशासन को देखने हैं और संगठन की समझ को बढ़ाने में सक्षम बनाएगा 1 |
| CO 4 | नौकरशाही क्या है और उस वैशवीकरण और उदारीकरण का क्या प्रभाव है इसको समझने में सक्षम बनायेंगे । |
| CO 5 | वित्तीय प्रशासन को समझने के लिए विभिन्न उपागमों की समझ विकसित होगी 1 |

| इकाई | विषय |
|------|--|
| 1 | 1. लोक प्रशासन का अर्थ, क्षेत्र एवं प्रकृति |
| | 2. भारतीय ज्ञान परंपरा में प्रशासन की प्रकृति |
| | 3. एक अनुशासन के रूप में लोक प्रशासन का विकास |
| | 4. नवीन लोक प्रशासन |
| | 5. सूचना प्रोद्योगिकी का लोक प्रशासन पर प्रभाव |
| २ | 1. हर्बर्ट साइमन का निर्णय – निर्माण उपागम |
| | 2. विकास प्रशासन उपागम |
| | 3. पारिस्थितिकीय उपागम- फ्रेड रिग्प्स प्रारूप |
| | 4. वैज्ञानिक प्रबंध सिद्धांत – टेलर |
| ₹. | 1. उदारवादी लोकतान्त्रिक उपागम |
| | 2. मार्क्सवादी लेनिनवादी उपागम |
| | 3. लोक कल्याणकारी राज्य उपागम |
| ٧. | 1. वित्तीय प्रशासन – आवश्यकता और उद्देश्य |
| | 2. शून्य आधारित बजट और कार्य निष्पादन बजट – प्रक्रिया समस्याएं और आवश्यकता |
| | 3. आर्थिक विकास में राजनीतिक और प्रशासनिक अंत:क्रिया |
| | 4. प्रशासन पर आर्थिक उदारीकरण और वैश्विकरण का प्रभाव |
| 5. | 1. लोक सेवा की तटस्थता |
| | 2. नौकरशाही में गिरावट |
| | 3. नौकरशाही का आधुनिकीकरण |
| | 4. प्रशासनिक प्रबंध |



Reaccredited 'A++ 'Grade by NAAC(CGPA:3.58/4.00)
College with Potential for Excellence by UGC
DST-FIST Supported & STAR College Scheme by DBT

Faculty of Social Science

Master of Arts (M.A.)

SUBJECT: POLITICAL SCIENCE

M.A. II Semester

Paper 4- International Organization

| CO. No. | Course Outcomes |
|---------|--|
| CO 1 | Students will understand nature and development of International Organization. |
| CO 2 | Student will be able to understand the role of League of Nations and Causes of its failure. |
| CO 3 | Student will come to know about the structure and functions of United Nations and need of reform in United nations. |
| CO 4 | Student will know the peaceful and other means of solving international disputes through United Nations. |
| CO 5 | Student will come to know the social, economic and humanitarian role of United Nations in Post-cold war era. |
| CO 6 | Student will come to know the role of United Nations in Disarmament and also the role of developing countries in furthering aims and objectives of United Nations. |



| Units | Topics |
|-------|--|
| I | 1. Nature and Evolution of International Organization |
| | 2. The league of Nations: Role in protecting world peace, Causes of failure of |
| | League of Nations. |
| II | 1. The United Nations: Structure and Functions, Various Organs of the UN, |
| | Need of reforms in the structure of UN |
| III | 1. Peaceful Settlement and Forceful Settlement of International Disputes and |
| | Enforcement Action. |
| | 2. Economic and Social Development and the Role of the UN |
| IV | 1. UN in the Post Cold War Era, Socio Economic and Humanitarian Role. |
| | 2. UN as a peace keeper & Politics within UN |
| V | 1. UN 's role in Disarmament |
| | 2. Contribution of Third World to Achieve goal of UN |



| CO. No. | Course Outcomes |
|---------|---|
| CO 1 | विद्यार्थी अंतरराष्ट्रीय संगठन की प्रकृति एवं विकास को समझ सकेंगे 1 |
| CO 2 | विद्यार्थी राष्ट्र संघ की भूमिका और उसकी सफलता के कारणों को जान सकेंगे ! |
| CO 3 | विद्यार्थी संयुक्त राष्ट्र की संरचना एवम कार्य, उसके विभिन्न अंगों और संरचना में सुधारों की आवशयकता को जान सकेंगे 1 |
| CO 4 | विद्यार्थी अंतरराष्ट्रीय विवादों के शांतिपूर्ण एवं बाध्यकारी समाधान तथा आर्थिक s, सामाजिक विकास में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे l |
| CO 5 | विद्यार्थी शीत्युद्धोत्तर काल में संयुक्त राष्ट्र की सामजिक , आरती एवं मानवीय भूमिका के साथ ही उसके शांति स्थापक के रूप में कार्यों को जान सकेंगे 1 |
| CO 6 | विद्यार्थी निशस्त्रीकरण में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका और संयुक्त राष्ट्र के उदेश्यों की पूर्ति में तृतीय विस्वा की भूमिका के बारे में भी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे l |

| इकाई | विषय |
|------|---|
| 1 | अंतरराष्ट्रीयसंगठन की प्रकृति एवं विकास राष्ट्र संघ : विश्व शांति की रक्षा में भूमिका, राष्ट्र संघ की असफलता के कारण |
| 7 | 1. संयुक्त राष्ट्र : संरचना, एवं कार्य, संयुक्त राष्ट्र की संरचना में सुधारों की आवश्यकता । |
| ₹. | अंतरराष्ट्रीय विवादों का शांतिपूर्ण एवं बाध्यकारी समाधान, दबावपूर्ण कार्यवाही, आर्थिक सामाजिक विकास और सयुक्त राष्ट्र की भूमिका l |
| ٧. | शीशीत्युद्धोत्तर काल में संयुक्त राष्ट्र, सामाजिक-आर्थिक एवं मानवीय भूमिका, शांति स्थापक के रूप में संयुक्त राष्ट्र के अन्दर की राजनीति |
| 5. | निशस्त्रीकरण में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका, संयुक्त राष्ट्र के उदेश्यों की पूर्ति में तृतीय विश्व की भूमिका |